श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | अगस्त - 2024 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1

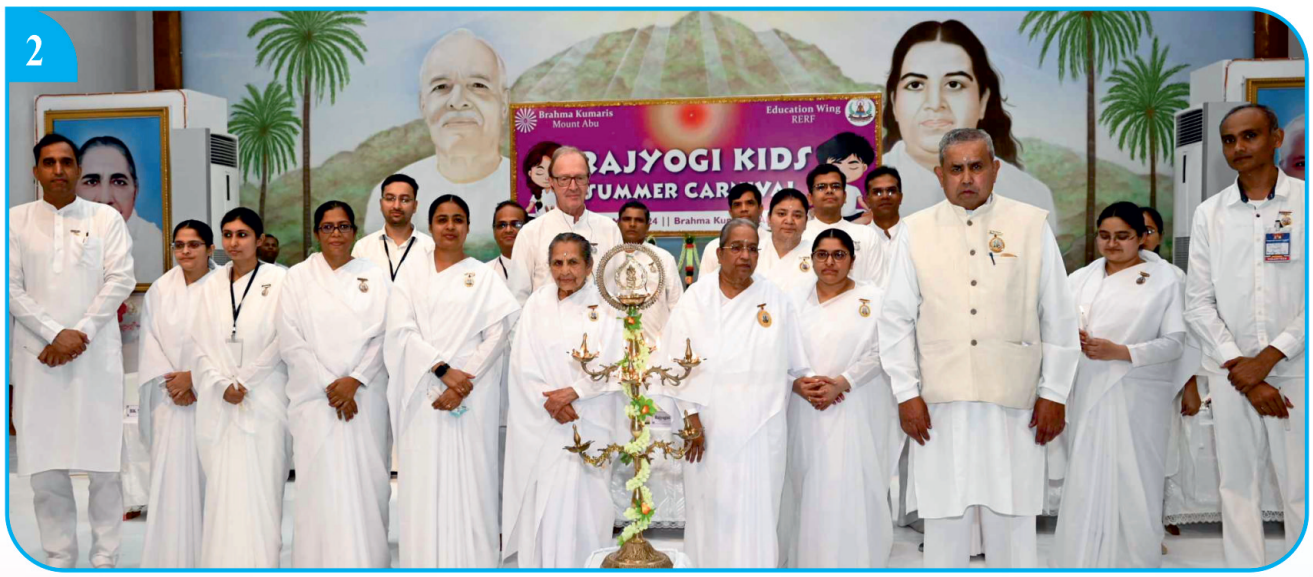

2

1. ज्ञान सरोवर (माउण्ट आबू)। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षाविदों के महासम्मेलन का उद्घाटन करते हुए संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. सुदेश दीदी, एम.डी.एस. यूनिवर्सिटी अजमेर से प्रो. अनिल शुक्ला, ज्ञान सरोवर की डायरेक्टर ब्र.कु. प्रभा, संस्था के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. ब्र.कु.पांड्यामणि, प्रो. डी. रविन्द्र यादव तथा अन्य।

2. शान्तिवन (आबू रोड) राजयोगी किड्स समर कार्निवाल का उद्घाटन करने के पश्चात् संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. सुदेश, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. नेविल, ब्र.कु. शिविका तथा अन्य।

संरक्षक
राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर
महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं संरक्षक, शिक्षा प्रभाग
परामर्श दाता
राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय
कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
कार्यकारिणी
राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन
राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि
निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स
ब्र.कु. शिविका
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. आर.पी. गुप्ता
मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम
प्रधान सम्पादक
डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, अहमदाबाद, गुजरात
सह सम्पादक
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड
प्रकाशक
एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज़
प्रकाशन
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड
डिजाइनिंग सेटिंग
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

❖ **सम्पादकीय -**
❖ आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा वैश्विक परिवर्तन
❖ ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा **'वृक्ष वंदन'** अभियान
❖ विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां
❖ पानीपत में **शिक्षाविद संगोष्ठी**
❖ **थॉट लैब** से कर रहे सकारात्मक संकल्पों का सृजन
❖ डॉ. ब्र.कु. रीना और डॉ. ब्र.कु. रावेन्द्र को **पी.एच.डी.** की डिग्री
❖ चार दिवसीय **'राजयोगा थॉट लैब'** ट्रेनिंग संपन्न

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: educationwing@bkivv.org
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040

डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)

सम्पादकीय

डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा

शिक्षा का उद्देश्य
धर्म, अर्थ, कर्म और मोक्ष

स्वभावतः प्रत्येक मानव अपने जीवन में सुख, सुविधा एवं सफलता प्राप्त करना चाहता है। शिक्षा को हर स्तर पर एक प्रक्रिया कहा जाता है। यह प्रक्रिया अनुभव पर आधारित है। इसका जन्म व विकास दोनों अनुभूति से ही होते हैं। यह एक शाश्वत प्रक्रिया है।

प्रत्येक राष्ट्र के साथ वहां की शिक्षा के उद्देश्य और पद्धति में परिवर्तन दिखाई देता है। प्रत्येक राष्ट्र का उद्गम एवं उसकी गहरी जड़ें उसकी संस्कृति में समाहित रहती हैं। भारतीय संस्कृति में धर्म, अर्थ, कर्म और मोक्ष का उपार्जन ही शिक्षा का उद्देश्य है। यह संसार के सभी रहस्यों से जुड़ा है। हमारे समाज में परिवार की भावना सर्वोपरि है। जीविकोपार्जन के लिए सक्षम बनने के लिए अर्थ की शिक्षा दी जाती है। परन्तु धर्म के साथ जुड़े रहकर यह सामूहिक जीवन की विशुद्धता एवं सार्थक जीवन जीने के लिए आवश्यक है। धर्म, अर्थ, कर्म और मोक्ष की शिक्षा से मनुष्य देवत्व की ओर अग्रसर हो सकता है।

अर्थ का आधुनिक काल में लगाया जाने वाला अर्थ मात्र चिकनी-चुपड़ी रोटी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है कौशल्य प्राप्त करके भोजनपूर्ति की व्यवस्था जुटा सकें।

जीवात्मा को विकारों के बंधन से मुक्त कर ज्ञान के द्वारा धर्म में स्थित होकर परमात्मा से तादात्म्य रखना यही मुक्ति है। यही मुक्ति ही मोक्ष है। यह भी शिक्षा का एक उद्देश्य है।

अतएव शिक्षा विषय पर विचार व्यक्त करती मात्र सूचनायें-जानकारी प्रदान करने वाले पहलू पर ही विचार न किया जाये, अच्छे कर्म करते शिक्षा का आनंद लें, जीवन का आनंद लें, शिक्षा से संस्कार पलें, जीवन संतुलित हो, जीवन नैतिकता और दिव्यता से सम्पन्न हो, नैसर्गिक हो, कर्तव्य परायण हो, समस्त शक्तियों के साथ समरस हो। इसी प्रकार धर्म परायण, अर्थ, कर्म और मोक्ष रुपेण चतुर्थ पुरुषार्थ को सही अर्थ में सार्थक करने वाली हो। यही शिक्षा हमें आध्यात्मिक बनाती है। धर्म निरपेक्ष बनाती है और पूर्ण मनुष्य होने पर गर्व महसूस कराती है। यही भारतीय शिक्षा का सच्चा उद्देश्य है।

आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा वैश्विक परिवर्तन

विश्व विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षाविदों का महासम्मेलन

ज्ञान सरोवर (माउंट आबू)। ज्ञान सरोवर के हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा शिक्षाविदों के लिए महासम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसका विषय **'आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा वैश्विक परिवर्तन'** था। इस महासम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दीप प्रज्ज्वलित कर इस सम्मेलन का उद्घाटन हुआ।

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका **राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी** ने अपना आशीर्वचन देते हुए कहा कि आत्म परिवर्तन ही जीवन परिवर्तन है। किसी भी प्रकार के बड़े परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक शिक्षा आवश्यक है। आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा सर्वप्रथम हम समझते हैं कि हम सभी शरीर से अलग अजर अमर आत्मा है। आत्मा के इस ज्ञान से संस्कार परिवर्तन करना सहज होता है। जब माता-पिता और अन्य वरिष्ठ अपना संस्कार परिवर्तन करते हैं तब वह इस संसार को श्रेष्ठ बना सकेंगे। जब आत्मा, परमपिता परमात्मा से संकल्पना के आधार पर जुड़ती है तो आत्मा के अंदर धीरे-धीरे ईश्वरीयता प्रवेश करती है। मनुष्य के अंदर देवत्व भरता जाता है।

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष **ब्र.कु. मृत्युंजय** ने कहा कि परमपिता परमात्मा हमारे पिता, शिक्षक और सद्गुरु है। परमात्मा हमें आध्यात्मिक शिक्षा देते हैं। इस आध्यात्मिक शिक्षा से ही सर्वांगीण परिवर्तन होता है। परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक शिक्षा परम आवश्यक है। ब्रह्माकुमारीज़ में आत्मिक ज्ञान देकर मनुष्य को परिवर्तित किया जाता है। यह ज्ञान हमें देवत्व सिखलाता है। इसी ज्ञान के आधार पर हम संसार के लोगों के संस्कारों को भी परिवर्तित कर पाते हैं।

तेलंगाना विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. डी. रविंद्र** ने कहा कि मुझे इस सम्मेलन में भाग लेकर काफी प्रसन्नता हो रही है। मैं पिछले कुछ वर्षों से ब्रह्माकुमारीज़ की आध्यात्मिक शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण कर रहा हूं। इससे मुझे अपार मानसिक शांति प्राप्त हुई है। हम अपने विश्वविद्यालय में इस प्रकार की तकनीक तलाश कर रहे हैं जिसके आधार पर दुनिया के अन्य सभी लोगों को यह आध्यात्मिक ज्ञान दिया जा सके।

बसंत राव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. डॉ. इंद्रमणि** ने कहा कि 1993 से ही आप यहां की शिक्षाओं को जीवन में धारण करते आए हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाएं मूल रूप से बुराइयों का त्याग करना सिखलाती है। इसी वजह से मैं इस संस्थान को शत-शत नमन करता हूं।

आज लोगों का जीवन मूल्यविहीन हो गया है। मूल्यों को जीवन में अपनाना जरूरी है। अगर किसी के जीवन में धन है, मूल्य है तो उन्हें इनका सदुपयोग करना चाहिए। अगर हम ऐसा नहीं करते तो हम दुर्जन लोग हैं।

ज्ञान सरोवर की डायरेक्टर **ब्र.कु. प्रभा दीदी** ने कहा कि आप सभी शिक्षाविद यहां परमात्मा के निमंत्रण पर पधारे हैं। यह आप सभी का बहुत बड़ा भाग्य है। मूल्यहीन जीवन को संपन्न करने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा आवश्यक है। लोभ, लालच और हर चीज बहुत अधिक प्राप्त करने की लालसा के कारण हमारा जीवन दु:खी हो गया है। हमारी शांति समाप्त हो गई है। इन भावनाओं को सीमित करके और राजयोग का अभ्यास करके हम सुख-शांति प्राप्त कर सकेंगे।

JBM विश्वविद्यालय के अध्यक्ष **प्रो. गुरुदत्त अरोड़ा** ने कहा कि शिक्षा के अलावा दूसरा कोई माध्यम नहीं है जिससे परिवर्तन लाया जा सके। हम अगर अपने जीवन में सम्मान चाहते हैं तो हमें सभी को सम्मान देना होगा। सुख पाने के लिए सुख देना होगा। बच्चों, विद्यार्थियों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए सर्वप्रथम हमें अपने जीवन में परिवर्तन लाना है। आपने बताया कि आप अपने शैक्षणिक संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण के लिए भी काफी कार्य करते हैं।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. अनिल शुक्ला** ने कहा कि मैं यहां इसलिए आया हूं ताकि मैं अपने जीवन को कुछ बदल सकूं। मेरे अपने जीवन में बदलाव से मैं दूसरों को भी प्रेरित कर पाऊंगा। यहां के माहौल से यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि यहां के लोगों के जीवन में भी श्रेष्ठता, सौम्यता और पवित्रता भरी हुई है। ऐसा नहीं है कि मात्र परिसर खूबसूरत है बल्कि यहां के साधक भी श्रेष्ठ और तपस्वी है। यह जान लेने पर कि मैं कौन हूं, मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है।

सम्मेलन के प्रारंभ में ही वैल्यू एजुकेशन प्रोग्राम के डायरेक्टर **डॉ. ब्र.कु. पांडियामणि** ने कहा कि आज ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिया गया मूल्य शिक्षा न सिर्फ भारतवर्ष में बल्कि विदेशों में भी सक्रिय है। वर्ष 2009 से ही भारतवर्ष के कुछ विश्वविद्यालय में मूल्य शिक्षा विधिवत रूप से दी जा रही है।

शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा **ब्र.कु. शीलू दीदी** ने राजयोग के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए राजयोग का अभ्यास भी करवाया। वैल्यू एजुकेशन के मुख्यालय संयोजक **डॉ. आर.पी. गुप्ता** ने पधारे हुए शिक्षाविदों के प्रति आभार प्रकट किया। **मधुर वाणी ग्रुप** ने सुंदर गीत द्वारा सभी पधारे हुए शिक्षाविदों का सम्मान किया। शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका **ब्र.कु. सुमन** ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा 'वृक्ष वंदन' अभियान

पर्यावरण दिवस पर मानपुर टाउनशिव में पौधारोपण के साथ अभियान की शुरुआत

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। संस्थान की ओर से सघन पौधारोपण 'वृक्ष वंदन' अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आबू रोड के अलग-अलग सार्वजनिक सरकारी कार्यालय और प्रमुख सड़कों के पास पौधारोपण किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर मानपुर टाउनशिप में पौधारोपण के साथ की गई। अभियान उदयपुर में स्थित 'धरोहर' संस्था के सहयोग से चलाया जा रहा है।

इस मौके पर संस्थान के कार्यकारी सचिव **डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय** ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवनदाता है। वृक्षों से ही हरियाली और खुशहाली है। इसे देखते हुए पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 20 हजार पौधारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। हम सभी का दायित्व बनता है कि मां प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रयास करें।

उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का हमेशा यह प्रयास रहा है कि पर्यावरण का संरक्षण कैसे हो। इसके अलावा पौधों के संरक्षण की भी व्यवस्था की जाएगी। समापन संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी के पुण्य स्मृति दिवस 25 अगस्त को किया जाएगा।

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के अध्यक्ष **ब्र.कु. मोहन सिंघल** ने कहा कि इस बार जिस तरह भीषण गर्मी का हम सभी ने सामना किया है ऐसे में समाज को जागरूक होने की जरूरत है। यदि हमने अभी भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर कदम नहीं उठाए तो आने वाले दिनों में गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। सभी को वर्ष में कम से कम पांच पौधे लगाने का संकल्प करना चाहिए।

गणका गांव की सरपंच ललिता देवी गरासिया ने कहा कि समय को देखते हुए हम सभी को पौधारोपण करने का संकल्प करना होगा। अभियान में पंचायत की ओर से हर संभव मदद की जाएगी। इस अवसर पर संस्था के भाई-बहनें भी उपस्थित थे।

अम्बिकापुर में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये **'उमंग'** समर कैम्प का ब्र.कु. विद्या, विजय अग्रवाल, ब्र.कु. प्रतिमा, एस.के. सिंह तथा अन्य अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया गया।

'संस्कार' समर कैंप का शुभारंभ लक्ष्मणराव मगर, विखं जिला शिक्षा अधिकारी; वामनराव साहू; ब्र.कु. सरिता; ब्र.कु. कामिनी कौशिक; ब्र.कु. पार्वती वाधवानी तथा सुषमा नंदा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विवि छतरपुर के **तृतीय दीक्षांत समारोह** में माननीय राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल जी को शाल ओढ़ाकर और ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करते हुए छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. शैलजा। साथ में हैं ब्र.कु. रीना, ब्र.कु. कल्पना, ब्र.कु. रीमा तथा ब्र.कु. आरती।

गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर, मालनपुर में आई.टी.एम. कॉलेज के विद्यार्थियों को ब्र.कु. ज्योति ने भारत की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। इस कार्यक्रम में ब्र.कु. पूजा, ब्र.कु. सृष्टि, ब्र.कु. खुशबू, ब्र.कु. लता, ब्र.कु. प्रसाद, ब्र.कु. अनूप, ब्र.कु. महेश आदि उपस्थित थे।

नव नियुक्त वाइस चांसलर प्रो. किशोर कुमार छगनलाल पोरिआ को शुभकामनाएं देने के बाद शिक्षा दर्पण भेंट किया तथा वैल्यू एज्युकेशन की सेवाओं के बारे में अवगत कराते हुए ब्र.कु. नीलम, ब्र.कु. नीता, ब्र.कु. निधि और डॉ. नेहा पटेल।

थॉट लैब कॉलेज के साथ-साथ हर स्कूल में भी होनी चाहिए

NIT, कुरुक्षेत्र थॉट लैब में अन्तर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्र.कु. शिवानी और ब्र.कु. सरोज के पधारने पर स्टूडेंट वेलफेयर डीन और थॉट लैब कोऑर्डिनेटर प्रो. दीक्षित गर्ग ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्लानिंग डीन प्रो. वी.पी. सिंह ने शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने अपने वक्तव्य में पूछा कि थॉट लैब में क्या करेंगे? क्या थॉट लैब में लाभ लेने की जरूरत है? इस थॉट लैब से भरपूर लाभ उठाएं। आज अपने थॉट बदलने की आवश्यकता है। यूं तो दुनिया में अनेकानेक लैब है जैसे- केमिस्ट्री लैब, फिजिक्स लैब आदि लेकिन एन.आई.टी. में जो थॉट लैब है, यह अपने आपमें एक अनोखी लैब है, जहां मन के विचारों का अध्ययन सीखते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी लैब न सिर्फ कॉलेज में बल्कि हर स्कूल में भी होनी चाहिए। जहां विद्यार्थियों को इमोशनल स्थिरता का महत्व भी सिखाए। ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि यूं तो हम बहुत तरक्की करते जा रहे हैं परंतु हम मन से खुश नहीं है। अगर विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं तो क्या उसे हम सफलता कहेंगे? एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र में थॉट लैब ब्रह्माकुमारी और एन.आई.टी. का सांझा प्रयास है जो कि वर्ष 2022 से सुचारू रूप से विद्यार्थियों को मेडिटेशन सिखाकर सकारात्मक सोच की ओर ले जा रही है। इस अवसर पर कॉलेज के सभी Deans और HODs उपस्थित रहे।

जोंधले पोलिटेक्निक कॉलेज के विद्यार्थियो के लिए **Universal Human Values** का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में Creative Meditation कराते हुए शांति, दया, सुख, प्यार इत्यादि सतगुणों की अनुभूति करायी गयी। अंत में सभी मेहमानों को टोली और स्लोगन देकर सम्मानित किया गया।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

Union Minister for Education, Govt. of India Brother Shri Dharmendra Pradhan along with his Wife Smt. Mridula Thakur Pradhan visited Brahma Kumaris Shiv Darshan Bhawan in Sambalpur to meet BK Parvati Didi, Head Sambalpur Subzone and other BK Students of Sambalpur.

के.एम. पटेल कॉलेज के विद्यार्थियों को **ब्र.कु.** प्रतीक्षा और **ब्र.कु.** तेजा ने प्रेक्टिकल मेडिटेशन द्वारा राजयोग की अनुभूति कराई। **इस कार्यक्रम में** 33 **स्टूडेंट्स और** 2 **शिक्षक उपस्थित रहे।**

हेमा कान्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों को **'नैतिक मूल्य आधारित जीवन के लिए राजयोग का महत्व'** विषय पर प्रकाश डालते हुए ब्र.कु. आदर्श। इस अवसर पर वाईस प्रिंसिपल, शिक्षकगण तथा 1200 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सेवाकेंद्र पर **'आओ बनाए चमकती दुनिया'** समरकैंप का आयोजन किया गया। इस समरकैंप का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ ब्र.कु. शैलजा, नौगांव रानी साहब माया सरवाणी, नौगांव जेलर साहब अरविंद खरे, डॉ. अनुराधा चौहान, भावना पाठक, साधना पांडे, दिनेश भट्ट, ब्र.कु. रीना, ब्र.कु. भारती, ब्र.कु. मोहिनी तथा ब्र.कु. छत्रसाल ने किया।

एक्सीलेंस विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए **'अपना और अपनों का ध्यान रखें'** विषय पर मेलबॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) से पधारी ब्र.कु. अनन्या ने विस्तारपूर्वक समझाया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य एस.के. उपाध्याय, ब्र.कु. कल्पना, ब्र.कु. रीमा, शिक्षक तथा सभी विद्यार्थी शामिल रहे।

पानीपत में शिक्षाविद संगोष्ठी

शिक्षा माना ही है जो मनुष्य को नैतिक मूल्यों से संपन्न बनायें

पानीपत (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ ज्ञान मानसरोवर के दादी मनोहर इंदिरा मेडिटेशन हॉल में शिक्षकों के लिए **"शिक्षाविद संगोष्ठी"** का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे जिले के स्कूलों से 50 से अधिक प्रिंसिपलों ने भाग लिया।

इस शिक्षाविद संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में गीता यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर **डॉ. विकास** पधारे। इसके साथ-साथ अतिथि विशेष के रूप में डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर **राकेश बुरा**, पानीपत एवं मतलौडा ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर **मनीष गुप्ता** भी पधारे। इस संगोष्ठी का शुभारंभ **ब्र.कु. भारत भूषण**, **ब्र.कु. सरला दीदी** सहित सभी आमंत्रित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

गीता यूनिवर्सिटी के वॉइस चांसलर **डॉ. विकास** ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें बच्चों को ऐसा काबिल बनाना है कि वह भविष्य में कहां भी जाएं, तो वह हर परिस्थिति में अपने आपको ढ़ाल सके क्योंकि वर्तमान समय बच्चों के अंदर एक ऐसा दृष्टिकोण आ गया है कि वह कहीं भी अपने आपको ढ़ाल नहीं सकते तो ऐसी एडजस्टमेंट पावर हमें बच्चों के अंदर विकसित करनी है।

ज्ञान मानसरोवर के डायरेक्टर **ब्र.कु. भारत भूषण** ने कहा कि शिक्षा माना ही है जो मनुष्य को नैतिक मूल्यों से संपन्न बनायें, मनुष्यों को गुणवान बनायें। ऐसी शिक्षा हमें बच्चों को देनी है।

पानीपत के सर्कल इंचार्ज ब्र.कु. सरला दीदी ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया एवं सेवाकेंद्र पर आने का निमंत्रण भी दिया। **श्री राकेश बुरा** और **मनीष गुप्ता** ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम के अंत में सभी को भगवान के घर से ईश्वरीय सौगात दी गई। मंच का कुशल संचालन **ब्र.कु. दिव्या** ने किया।

थॉट लैब से कर रहे सकारात्मक संकल्पों का सृजन

मनमोहिनीवन (आबू रोड)। किसी नए आविष्कार का रास्ता प्रयोगशाला (लैबोरेटरी) से होकर जाता है। अंतरिक्ष से लेकर पाताल में वैज्ञानिकों ने नई-नई खोज कर दुनिया को अचंभित किया है। इसमें एक कदम आगे बढ़ाते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग ने वर्षों तक मानव मन व मस्तिष्क का अध्ययन करके विचारों की एक अनोखी लैब तैयार की है। इसे नाम दिया है **राजयोगा थॉट लैब।** जैसे बाहरी लैब में अलग-अलग कैमिकल को मिलाकर एक नया कैमिकल तैयार किया जाता है, वैसी ही इस लैब में किसी भी विचारधारा के विद्यार्थी के विचारों का परिवर्तन कर सकारात्मक विचारों का सृजन किया जाता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी को अपने विचारों की प्रयोगशाला से अवगत कराया जाता है। शिक्षा प्रभाग के इस अनोखे थॉट लैब प्रोजेक्ट की चार दिवसीय ट्रेनिंग का शुभारंभ मनमोहिनीवन परिसर में किया गया। इसमें देशभर से शिक्षा प्रभाग से जुड़े सदस्य, कार्यकारिणी पदाधिकारी और राजयोग थॉट लैब में भाग लेने के लिए प्रशिक्षाणार्थी पहुंचे।

शुभारम्भ अवसर पर **डॉ. ब्र.कु. सविता** ने कहा कि आप सभी चार दिन तक पूरे मनोभाव से इस ट्रेनिंग का लाभ लें और अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर कॉलेज-यूनिवर्सिटी में थॉट लैब की स्थापना कर विद्यार्थियों की सेवा करें। उन्हें तनाव, चिंता, दु:ख, परेशानी से बाहर निकलने में थॉट लैब मील का पत्थर साबित होगी।

मोटिवेशनल स्पीकर **प्रो. ई.वी. गिरीश** ने कहा कि यदि हमें थॉट लैब का प्रैक्टिकल उदाहरण देखना है तो जयपुर में जाकर देख सकते हैं। वहां कैसे प्रैक्टिकल में थॉट लैब के अंदर ज्ञान को एप्लाई किया जा रहा है। लैब से ट्रेनिंग लेकर अनेक विद्यार्थियों की सोच बदली है। उनके अंदर सकारात्मक बदलाव आए हैं। जीवन में सदा सरल और साधारण बनकर रहें। जितना हमारा व्यक्तित्व सरल होता है हम उतने हल्के रह पाते हैं। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन हम सबके लिए आदर्श है। सफलता के लिए जरूरी है कि हम जो सेवा कर रहे हैं उसमें नि:स्वार्थ भाव अर्थात् नाम, मान से परे हो।

शिक्षा प्रभाग की कार्यकारिणी सदस्या **ब्र.कु. सुप्रिया** ने कहा कि हमारे जीवन ऐसा हो, जिससे लोग देखकर सीखें। ज्ञान के साथ धारणा में भी जीवन मूल्यनिष्ठ हो। **ब्र.कु. सतीश** ने कहा कि हमारे विचार ही हमारा जीवन बनाते हैं, जिन्होंने विचारों का महत्व जान लिया उनका जीवन धन्य हो जाता है। जयपुर में थॉट लैब के संचालक **ब्र.कु. मुकेश** ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बता दें कि राजयोग थॉट लैब प्रोजेक्ट की शुरुआत सबसे पहले जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर (JECRC), जयपुर में की गयी। शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष **डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय** और जयपुर म्यूजियम सब-जोन इंचार्ज **ब्र.कु. सुषमा** ने कॉलेज के पदाधिकारियों के साथ मिलकर 6 अक्टूबर, 2016 को इस लैब का उद्घाटन किया। तब से लेकर अब तक इस थॉट लैब के द्वारा 20,000 से अधिक स्टूडेंट्स और टीचर्स को लाभ मिला है। जयपुर की थॉट लैब से प्रभावित होकर 2018 में नार्थ कैप यूनिवर्सिटी में इसकी शुरुआत की गयी, फिर 2022 में NIT, कुरुक्षेत्र में तथा और भी स्थानों पर इसकी शुरुआत की गई है। वर्तमान समय में छात्रों को अपने संकल्पों को Channelize करने और शक्तिशाली बनाने के लिए थॉट लैब एक बहुत सुन्दर प्रयास है।

थॉट लैब बनाने का उद्देश्य

इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपने थॉट प्रोसेस से अवगत कराना है। थॉट प्रोसेस से उन्हें यह प्रेरणा मिलती है कि अपने भाग्य के निर्माता वह स्वयं ही हैं। वह जैसे विचार (सकारात्मक या नकारात्मक) उत्पन्न करते हैं उसी प्रकार की अनुभूति उन्हें होती है। समय के साथ उसी प्रकार का रवैया बन जाता है, इससे उसी अनुसार कर्म (अच्छे या बुरे) होते हैं। एक ही तरह के ऐसे कर्म जो लंबे समय तक या बार-बार किए गए हो उससे हमारी आदतों का निर्माण होता है। जिसकी जैसी आदतें होती हैं, वैसा व्यक्तित्व निखरकर आता है और इसी व्यक्तित्व से तकदीर का निर्माण होता है। इस प्रक्रिया को समझने के बाद विद्यार्थियों को भली-भांति यह ज्ञान हो जाता है कि विचार ही हमारे जीवन को सफल-असफल, अच्छा- बुरा या महान बनाते हैं।

क्या है थॉट लैबोरेटरी?

थॉट लेबोरेटरी एक विद्या है जिसके जरिए किसी के भी विचारों की क्वालिटी को पहचानकर उसे सकारात्मक विचारों के लिए प्रेरित करना होता है। केवल प्रेरित ही नहीं बल्कि अगर माता-पिता से अनबन, दोस्तों के बीच मनमुटाव या टीचर के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं है तो उसके लिए कौन-कौन से विचार जिम्मेदार है। उसकी जड़ को समझते हुए उससे निकलने तथा विचारों की क्वालिटी के लिए काउन्सलिंग और फिर मेडिटेशन कराकर श्रेष्ठ संकल्पों के लिए प्रेरित कराया जाता है।

इन बातों को भी रखा जाता है ध्यान

छात्र को थॉट फीलिंग, एटीट्यूड, एक्शन, हैबिट, पर्सनालिटी और डेस्टिनी के स्तर पर चेक किया जाता है। यदि किसी छात्र को किसी को देखकर कोई नकारात्मक फीलिंग आती है तो उसके लिए भी मेडिटेशन और कॉमेंट्री के जरिए उसे सकारात्मक ऊर्जा के लिए तरीके बताए जाते हैं। इसी तरह जैसे किसी बच्चे को घर या पैरेन्ट के साथ अच्छा क्यों नहीं लग रहा है? माता-पिता को देखते हैं तो किस प्रकार के संकल्प आते हैं। इसकी गहराई से विवेचना कर उसे ठीक करने का प्रयास किया जाता है।

डॉ. ब्र.कु. रीना और डॉ. ब्र.कु. रावेन्द्र को पी.एच.डी. की डिग्री

ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल की राजयोग प्रशिक्षिका **डॉ. ब्र.कु. रीना** को एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी भोपाल के तीसरे दीक्षांत समारोह में पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई है। उन्हें यह डिग्री स्कूल ऑफ जर्नेलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन द्वारा **'कोविड 19 के दौरान भारत में सकारात्मकता को प्रचारित करने में आध्यात्मिक संचार की भूमिका का अध्ययन'** पर शोध के उपरांत श्री मंगूभाई पटेल, माननीय राज्यपाल, मध्य प्रदेश द्वारा प्रदान की गई।

इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। उन्होंने अपना शोध एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ जर्नेलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन की विभागाध्यक्ष डॉ. अनु श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया।

इसी प्रकार इसी दीक्षांत समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल के **डॉ. ब्र.कु. रावेन्द्र** को भी एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी द्वारा पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई है। उन्हें यह पी.एच.डी. स्कूल ऑफ जर्नेलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन द्वारा **'कोरोना महामारी के दौरान समाचार पत्रों में प्रकाशित आध्यात्मिक एवं सकारात्मक खबरों के अध्ययन'** विषय पर शोध के उपरांत श्री मंगूभाई पटेल, माननीय राज्यपाल, मध्य प्रदेश द्वारा प्रदान की गई। इन्होंने भी अपना शोध एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ जर्नेलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन की विभागाध्यक्ष डॉ. अनु श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया।

Bidar (K.R.)

बीदर सेवाकेंद्र द्वारा 5 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें ब्र.कु. सुनंदा, ब्र.कु. पार्वती, नाट्यश्री अकादमी की संचालिका रानी सत्यमूर्ति, मोहन गादा, संतोषी गादा तथा स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला कमिश्नर भारशेट्टी आदि उपस्थित रहे। इस समर कैंप में बच्चों को प्रतिदिन हेल्थ एंड फिटनेस, प्रकृति की पुकार, रोड सेफ्टी एंड ट्रैफिक रूल्स, लेटर टू गॉड, राजयोग इत्यादि विषयों पर क्लास कराई गई।

Faridabad (H.R.)

फरीदाबाद एवं श्री राम एजुकेशन सोसाइटी की ओर से अमृता हॉस्पिटल में 100 स्कूलों के डायरेक्टर एंड प्रिंसिपल व शिक्षकों के लिए कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में डॉ. मोहित गुप्ता, सीमा तिरखा, डॉ. अमृता ज्योति, स्वामी निजअमृतानंद जी महाराज, सुरेश चन्द्र, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. मधु आदि उपस्थित थे।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

Bilaspur (C.G.)

बिलासपुर-राजकिशोर नगर में **15 दिवसीय बाल संस्कार शिविर 'उड़ान'** का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को मूल्य शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न व्यायाम, आसन, प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। इस शिविर का सफल संचालन ब्र.कु. गायत्री, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. गौरी और ब्र.कु. अमर ने किया।

Tumsar (M.H.)

मूल्यनिष्ठ बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में उमंग-उत्साह के साथ 60 बच्चों ने भाग लिया। शिविर में ब्र.कु. शक्ति, ब्र.कु. निष्ठा, प्रतिभा पटेल आदि ने बच्चों से योग, खेल, एक्टिविटी, नृत्य आदि भी करवाये।

Bijawar (M.P.)

बिजावर में समर कैंप द्वारा बच्चों के जीवन में नैतिक मूल्य, मानसिक व शारीरिक उन्नति के लिए मेडिटेशन, व्यक्तित्व विकास, मूल्य पर आधारित गतिविधियां, मनोरंजन, प्रतियोगिताएं आदि कार्यक्रम किये गये।

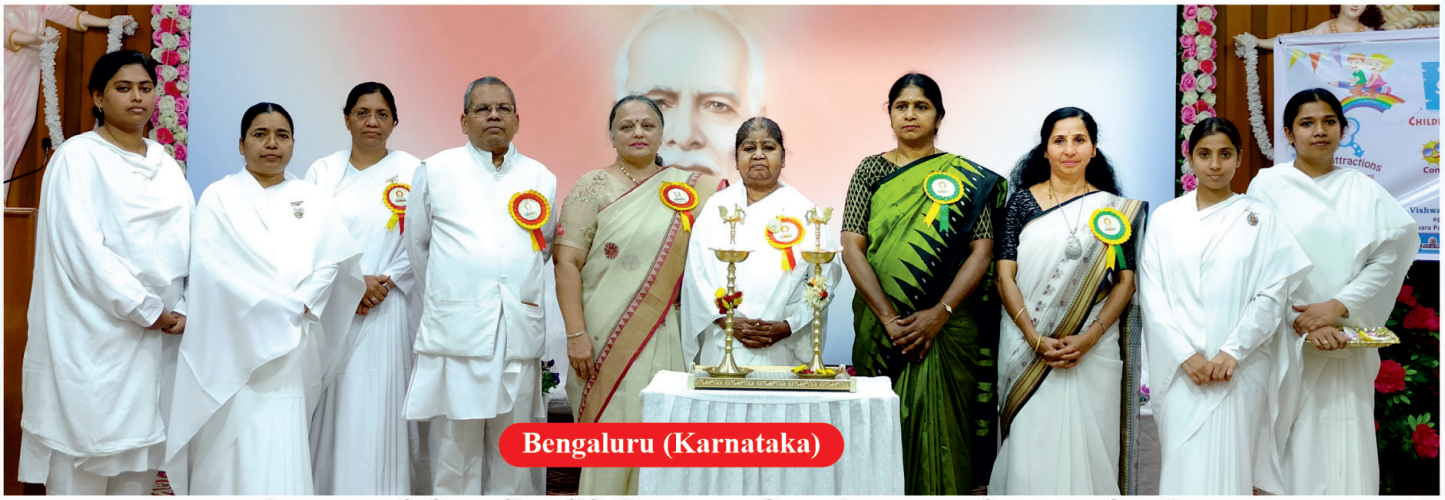
Bengaluru (Karnataka)

ब्रह्माकुमारीज़ कुमारा पार्क, बेंगलुरु में बच्चों के लिए **'समृद्ध भविष्य की आशा'** समरकैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को खेल, शिल्पकला, कार्यशाला, पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ-साथ मूल्य आधारित सत्र थे। इस समरकैम्प का सफल संचालन ब्र.कु. सुरेन्द्रन, ब्र.कु. सरोजा, ब्र.कु. भुवनेश्वरी आदि उपस्थित थे।

चार दिवसीय 'राजयोगा थॉट लैब' ट्रेनिंग संपन्न

मनमोहिनीवन (आबू रोड)। शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित **'राजयोगा थॉट लैब'** की ट्रेनिंग का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए डॉ. ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. ई.वी. गिरिश, ब्र.कु. मुकेश, ब्र.कु. सतीश, ब्र.कु. सुप्रिया, ब्र.कु. चित्रा तथा अन्य।
इस अवसर पर ट्रेनिंग में आये हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट दिया गया।

Education Wing HQs. Office:
Dr. B.K. Mruthyunjaya
Chairman, Education Wing, RERF
Brahma Kumaris, Education Wing Office
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan
Abu Road - 307 510 (Raj.)
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040
E-mail: educationwing@bkivv.org
Website: www.educationwing.com

To,